रेल संरक्षा आयुक्त ने जरखेड़ा से शामपुर नवनिर्मित रेललाइन का किया निरीक्षण

अधिकतम 125 किमी प्रति घंटा की गति से सीआरएस ने किया ट्रायल रन

जबलपुर 01 अगस्त। रेलवे नई परियोजनाओं के अंर्तगत अधोसरंचना निर्माण कार्यो को गति प्रदान के लिए कृतसंल्कपित है। पश्चिम मध्य रेल में भी न्यू रेललाईन, दोहरीकरण एवं तिहरीकरण जैसे विभिन्न अधोसंरचना के निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण करने के निरंतर प्रयास जारी है। इसी कड़ी में **अधोसरंचनात्मक रेल परियोजनाओं को महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के सतत निगरानी में तेज गति के साथ किया जा रहा है।** जिसके चलते भोपाल-रामगंज मंडी नई रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत जरखेड़ा से शामपुर सेक्शन का कमीशनिंग मध्य वृत्त के रेल संरक्षा आयुक्त श्री मनोज अरोरा द्वारा 30 जुलाई 2025 को किया गया।

गौरतलब है कि पश्चिम मध्य रेल के अंर्तगत 175 किलोमीटर मध्य प्रदेश और 101 किलोमीटर राजस्थान राज्यों सहित कुल 276 किलोमीटर लंबी भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल परियोजना की कुल लागत ₹3,032 करोड़ है। इस परियोजना में अब तक 168 किलोमीटर का कमीशन्ड पूर्ण कर लिया और रेल सेवा का संचालन किया जा रहा है।

जरखेड़ा से शामपुर सेक्शन की कुल दूरी 11 किमी है। सीआरएस श्री मनोज अरोड़ा ने इस नवनिर्मित रेललाइन पर सघन निरीक्षण किया, साथ ही जरखेड़ा स्टेशन यार्ड का परीक्षण किया। इसके बाद, सीआरएस ने जरखेड़ा से शामपुर सेक्शन में अधिकतम 125 किमी/घंटा की गति से सफल स्पीड ट्रायल किया।

इस निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल श्री योगेन्द्र बघेल, मुख्य परियोजना प्रबंधक श्री विजय पाण्डेय, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री एम. एस. हाशमी, उप मुख्य अभियंता (निर्माण), वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (समन्वय),वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, वरिष्ठ मंडल विद्युत् अभियंता (टीआरडी), वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल अभियंता (मध्य) सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल-रामगंज मंडी नई लाइन परियोजना की मुख्य विशेषताएं:-

• इस परियोजना में मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्य शामिल हैं एवं 5 जिले – भोपाल, सीहोर, राजगढ़, झालावाड़ और कोटा इससे जुड़े हुए हैं।
• यह लाइन माल और यात्री परिवहन दोनों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जिससे रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी और यात्रा समय में बचत होगी।
• झालावाड़ (राजस्थान) के कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयले की आवागमन लागत कम होगी।
• ब्यावरा-झालावाड़ मार्ग के बजाय यह नया मार्ग 42 किमी छोटा होगा, जिससे ईंधन और समय की बचत होगी।
• घाटोली स्टेशन के पास स्थित प्रसिद्ध केलकेरा मंदिर तक स्थानीय यात्रियों की पहुंच सुगम हो जाएगी।
• इस परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस रेल परियोजना से भोपाल और कोटा मंडल के विभिन्न स्टेशनों के बीच सीधी और निर्बाध रेल कनेक्टिविटी संभव होगी। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा होगी, बल्कि माल परिवहन में भी दक्षता आएगी।

संख्या : पमरे/मुख्या/मुजसअधि/प्रेस विज्ञप्ति/265/2025 दिनांक 01.08.2025

सम्माननीय संपादक,

कृपया जनहित में उपरोक्त समाचार अपने लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित कर सहयोग प्रदान करें।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर